◉ दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. सामाजिक सुकरीकरण किस प्रकार से होता है ?
How does social facilitation take place ?

अथवा (Or), दूसरों की उपस्थिति में व्यवहार किस प्रकार प्रभावित होता है ?
How is behaviour affected in the presence of others ?

उत्तर- जब दूसरों की उपस्थिति से किसी विशिष्ट कार्य का निष्पादन प्रभावित होता है तो इसे *सामाजिक सुकरीकरण* कहा जाता है।

(i) यह भाव-प्रबोधन इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति यह अनुभव करता है कि उसका मूल्यांकन किया जा रहा है। कॉटरेल (Cottrell) ने इस विचार को मूल्यांकन बोध (Evaluation apprehension) कहा है। व्यक्ति की प्रशंसा की जाएगी यदि उसका निष्पादन अच्छा होगा (पुरस्कार), या आलोचना का परिहार करना चाहते हैं, इसलिए हम भली प्रकार से निष्पादन करने और त्रुटियों को दूर करने का प्रयास करते हैं।

(ii) यदि दूसरे उपस्थित लोग भी उसी कार्य को कर रहे हों तो इसे सह-क्रिया (Co-action) परिस्थिति कहा जाता है। इस परिस्थिति में एक सामाजिक तुलना एवं प्रतियोगिता होती है। इस स्थिति में भी जब कार्य सरल या परिचित होता है तो सह-क्रिया की दशा में अच्छा होता है तुलना में जब व्यक्ति अकेले होता है।

Scanned with CamScanner

(iii) निष्पादित किए जाने वाले कार्य की प्रकृति (Nature of the task) भी दूसरों की उपस्थिति में निष्पादन को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, सरल या परिचित कार्य को दशा में व्यक्ति अच्छे निष्पादन के लिए अधिक आश्वस्त रहता है और प्रशंसा या पुरस्कार पाने की उत्कंठा भी अधिक प्रबल रहती है। इसलिए लोगों की उपस्थिति में व्यक्ति अच्छा निष्पादन करता है तुलना में जब वह अकेले होता है परन्तु जटिल या नए कार्य की दशा में व्यक्ति त्रुटियाँ करने के भय से ग्रस्त हो सकता है। आलोचना या दंड का भय प्रबल होता है। इसलिए जब व्यक्ति अकेले होता है तो उसकी तुलना में वह लोगों की उपस्थिति में खराब निष्पादन करता है।

(iv) दूसरों की उपस्थिति में बेहतर निष्पादन इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति भाव प्रबोधन (Arousal) का अनुभव कर रहा होता है जो उस व्यक्ति को अधिक तीव्र या गहन प्रतिक्रिया करने के योग्य बनाती है। यह व्याख्या जाइंस (Zajonc) के द्वारा दी गई है। इस नाम पर उच्चारण 'साइंस' की तरह करते हैं।

Scanned with CamScanner